भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4884

01 अप्रैल, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष की दवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

4884. श्री के. नवासखनी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) दवाओं के विनिर्माण और निर्यात के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निवेश को बढ़ावा देने की मंशा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हाँ,

(ख): मंत्रालय ने आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना (आईसी योजना) विकसित की है जिसके तहत आयुष मंत्रालय आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयुष विनिर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धति का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संवर्धन, विकास और मान्यता दिलाने में सहायता देता है; हितधारकों के बीच बातचीत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष के बाजार विकास को बढ़ावा देता है; विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना करके अकादमिक एवं अनुसंधान को बढ़ावा देता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता और रुचि बढ़ाने और उसे मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला/संगोष्ठियों का आयोजन करता है।

आयुष मंत्रालय ने आयुष औषधियों के विनिर्माण एवं निर्यात हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- मंत्रालय ने बाहरी देशों के साथ पारंपरिक चिकित्सा और होम्योपैथी के क्षेत्र में सहयोग के लिए 25 अलग-अलग देशों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- सहयोगात्मक अनुसंधान/अकादमिक सहयोग शुरू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ 32 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ 14 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- आयुष मंत्रालय ने 34 बाहरी देशों में 38 आयुष सूचना प्रकोष्ठों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान की है।

- "आयुष निर्यात संवर्धन परिषद को "04.01.2022 को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8(4) के तहत पंजीकृत किया गया है। परिषद सभी निर्यात और आयात संबंधी मुद्दों के लिए एकल खिड़की प्रणाली के रूप में कार्य करेगी तथा निर्यात और आयात प्रक्रियाओं पर अपने सदस्यों की क्षमता निर्माण की सुविधा भी प्रदान करेगी। इसके गठन से आयुष उत्पादों के निर्यात में वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा और नियामक प्रथाओं के अनुरूपण तथा मानकीकरण, बाजार अध्ययन और विदेशों में अनुसंधान गतिविधियों को शुरू करने में मदद मिलेगी।
- आयुष मंत्रालय अपने अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत भारत के मान्यता प्राप्त आयुष संस्थानों में आयुष पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विदेशी नागरिकों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- आयुर्वेद के माध्यम से कोविड-19 के निवारण पर नैदानिक अनुसंधान अध्ययनों के लिए लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (एलएसएच एंड टीएम), यूके और फ्रैंकफर्टर इनोवेशनज़ेंट्रम बायोटेक्नोलोजी जीएमबीएच (एफआईजेड), फ्रैंकफर्ट जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- आयुष मंत्रालय ने लोगों की सामान्य प्रतिरक्षा में सुधार करने, कोविड से बचाने और स्वस्थ रहने के बारे में एडवाइजरी जारी की। एडवाइजरी अंग्रेजी के साथ-साथ 08 अन्य विदेशी भाषाओं में जारी की गई थी।
- आयुष मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए बाहरी देशों के नियामकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- एएसयू एंड एच उत्पादों के मानकों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए आयुष मंत्रालय ने क्यूसीआई के सहयोग से गुणवत्ता प्रमाणन कार्यक्रम यथा, आयुष मार्क और प्रीमियम मार्क विकसित किया है।
- वाणिज्य मंत्रालय ने एमएआई योजना के जरिए आयुष उद्योग को प्रमुख व्यापार मेलों, व्यापार प्रतिनिधिमंडलों में भाग लेने और प्राकृतिक उत्पाद प्रमाणपत्रों की प्रतिपूर्ति करने के लिए भी सहायता दी।
- आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी तथा होम्योपैथी दवाओं के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए 31 आयुर्वेदिक औषध विनिर्माताओं को डब्ल्यूएचओ-जीएमपी (सीओपीपी) दिया गया है।
- आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ ने जामनगर, गुजरात में डब्ल्यूएचओ-जीसीटीएम स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य डब्ल्यूएचओ की पारंपरिक चिकित्सा रणनीति (2014-23) को लागू करने में सहायता करना और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए उनकी यात्रा के हिस्से के रूप में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका को मजबूत करने के लिए नीतियों और कार्य योजनाओं को विकसित करने में राष्ट्रों का समर्थन करना है।
- आयुष मंत्रालय ने गुजरात के गांधीनगर में 20 से 22 अप्रैल 2022 तक तीन दिवसीय महोत्सव 'ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट' आयोजित करने का निर्णय लिया है। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया जाना है। यह शिखर सम्मेलन स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न देशों के वैश्विक निवेशकों के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

*****